tisch): स्त्रीपुंनपुंसकोषु in den drei Geschlechtern Nia. 3, 8. वाग्योवितत्सवें पत्स्त्री पुनान्नपुंसकाम् Çat. Bia. 10, 5, 1, 3, 1, 1, 8. पुंसा नित्रत्रेषा 14, 9, 2, 1. पुंस्कृत्येव जुकुपात्पुमासा कि गर्भाः mit Anwendung männlicher Formen, denn गर्भ ist männlich 4,5,2,10. P. 1,2,67. 2,4,29. Vop. 3,126. — 3) Mensch Ak. 2,6,1. H. 337. Hai. â. 2,176. येन घाता गिरः पुंसा विमन्तेः शब्दवारिभिः Einl. zu P. यहां भजिस कल्याणि पुमासं देवसंनिधी N. 5, 30. Мясы. 12. Spr. 283. पुंसा यथाङ्गेषु सिरास्त्रयेव निताविष Varia. Bab. S. 53, 1. 85, 5. Bab. P. 8, 24, 48. fg. — 4) Diener: स्वपुम्भिः Bab. P. 3, 15, 38. 16, 4. 5) — पुरुष Seele Ak. 3,4,1,5. Kap. 1, 140. Tattvas. 18. Samkeiak. 11. 60. MBu. 12, 12468. VP. 2. Bab. P. 7, 1. 11. प्रस्य पुंसः die Weltseele, Vishņu 8,11,1. जलात्तस्तद्भूद्राउं तस्माद्वेधा गतः पुमान् Kathâs. 2, 11. — Vgl. न॰, एक्ष. न॰, एक्ष.

पुमनुता (पुमस् + श्रनुता) adj. f. wohl nach einem männlichen Kinde geboren, so v. a. einen älteren Bruder habend; = पुमासमनु कृष्ट्य (!) जाना P. 3,2, 100, Sch. — Vgl. पंसानत.

पुमपत्य (पुमम् + श्रपत्य) n. männliche Nachkommenschaft AK. 2, 5, 18. पुमर्थ (पुमम् + श्रर्थ) m. Ziel des Menschen Madaus. in Ind. St. 1, 14, 1. TBa. Comm. 140, 12. Davon nom. abstr. पुमर्थता f. 4.

प्माष्य (प्मंस् + म्राख्या, adj. P. 8,3,6, Sch.

पुमाद्या (wie eben) f. ein Name für männliche Wesen, ein Wort zur Bezeichnung eines männlichen Wesens AK. 3,6,5,37. Schol. zu P. 4,1,48.

पुमाचार (पुमेस + म्रा °) m. P. 8,3,6, Sch. Brauch der Münner. पुंभूमन (पुमेस + भू °) m. ein Plurale masculini generis AK. 2, 6, 1, 6. Trik. 3,3,123.

1. पुर् (= 1. पर्) nur im instr. pl. mit Fülle (Si.) पूरकी: स्तवैः): म्र-धा कि कर्व्या पुवं दत्तस्य पूर्भिरंडुता। नि केतुना जनानां चिकेथे पूत्रदत्तसा RV. 5,66,4. — Vgl. पर्तृभिः und ähnliche Instrumentale des Plurals.

2. प्र f. P. 3, 2, 177. nom. प्र, प्रिं, प्रिंस, प्रस् nom. und acc. pl. 1) Schutzwall, Mauer; fester Platz, Burg, eine befestigte Stadt (vgl. τεῖχος) ΑΚ. 2, 2, 1. H. 971. an. 1, 12. Ηλιλι. 2, 180. पूरा पूरे सिमिट्टं हैं-स्योजेसा प्र. 1,53,7. पूर्भिरायेसीभिः 58,8. पूरा भिन्दुः 11, 4. 131,4. पूर्भी र्गनता महता पमार्वत 166,8. पूर्श पृथ्वी बेकुला ने उर्वी भर्व 189, 2. पूरा विश्वाः सै।भंगा संजिगीवान् ३,15,4. 4,27,1. म्रश्मन्मयी ३०,२०. म्रा दळ्का प्रें विविशः 5,19,2.7,18,13. पूर्भवा शतभ्तिः 15,14. गामती 8,6,23. der Dämonen 1,103,8. 2,14,6. 19,6. 20,8. 3,12,6. neunundneunzig 4,26,3. AV. 12,1, 43. - TBR. 1,7,7,5. AIT. BR. 1, 23. 2, 11. CAT. BR. 3,4,4,3. fgg. 6,3,2,25. 11,1,4,2. 3. KHAND. Up. 8,5,3. P. 5,4,74. RAGH. 16, 23. BHAG. P. 6,6, 12. श्रत्तराया पुरि P. 1,1,36, Vartt. तत्तशिलापुरि Kathis. 27,72. Vid. 328. बङ्गपुरि adj. nom. pl. n. P. 7, 1. 72, Sch. Zur Ableitung von पुरुष AV. 10,2,28. 34. ÇAT. BR. 13,6,2, 1. 14, 5, 5, 18; vgl. Nik. 2,3 und die folgende Bed. - 2) Leib, Körper (als Burg des Purusha gedacht) H. an. Buic. P. 2,10,28. 4,29,2. — 3) = मङ्ख् Intellect VP. 14, N. 22. — 4) N. eines Daçarâtra Kâts. Ça. 23, 5, 24. — Vgl. न्त्रि॰, देव॰,

3. पुर, पुरति vorangehen (wegen पुरस्, पुरा) Daîtup. 28, 56. पुर Sidde. K. 236, b. i. m. n. gaṇa ऋर्घचादि zu P. 2, 4, 31. f. n. Taik. 3, 5, 21. i) n. = 2. पुर Burg, befestigte Stadt, Stadt überh. AK. 2, 1, 1. 3, 4, 18, 128. 32, 142. 25, 185. H. au. 2, 438 Med. r. 39. fg. Halis. 2. 130.

धनुईगें मरुीडुर्गमब्डुर्गे वार्त्तमेव वा। नुडुर्गे गिरिडुर्गे वा समाम्रित्य वसे-त्परम् ॥ M. 7,70. 9,294. ऋरि ॰ 7,181. 185. RAGH. 1, 59. दैत्यानाम् Sund. 1,38. ग्राम, पुर M. 7, 119. यस्य स्तेनः पुरे नास्ति 8,386. 9,225. N. 9,8. 13,21. 17,45. R. 1,6,6. R. GORB. 2,119,26. नगरे वा प्रे वापि 4,16,19. Ragh. 2, 74. Vid. 165. ेत्तप Varin. Brn. S. 32, 22. ेहाध Belagerung einer Burg, einer Stadt 12,21.33,20. ेलाभ 29,23. सप्रा मकी MBB.3, 162 15. Am Ende eines comp. (oxyt.) st. Q. P. 5, 4, 74. 4, 2, 122. Vop. 6, 69. Accent eines auf T ausgehenden Städtenamens P. 6, 2, 99-101. पुरमेकादशहारम् vom Leibe (vgl. 2.) Катнор. 5, 1. नवहारे पुरे Çvвтасу. Up. 3, 18. Внас. 5, 13. Раав. 16, 7. = 되기ए, 기존, 기존 Haus AK. 3, 4, 25, 185. TRIK. 3, 3, 363. H. an. MBD. Wohnort, Behälter TATTVAS. 5. BHAG. P. 5,11,9. = 現代:贝 Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 6,505, Cl. 19. नारी॰ ein Gynaeceum, ein ganzes Haus mit Weibern: म्रदा च तत्राश्चत-रीसक्स्नं नारीप्रम् MBB. 13, 49 15. = ग्रेशपिर ग्रक्षम् ein oberes Stockwerk Vigva im CKDs. - 2) n. Leib, Körper H. 564. H. an. Med. Har. 258. HALÂJ. 2, 355. BHÂG. P. 5, 11, 5. 6, 1, 48. 4, 24. 7, 14, 37; vgl. u. 1. - 3) n. die Stadt κατ' έξόχην, Pataliputra Trik. 2,1,16. 3,3,263. Η. an. Med. - 4) n. Bordel H. 1003. - 5) n. eine Cyperus-Art (नागान FAII) RATNAM. im CKDs. - 6) Bdellium, m. AK. 2, 4, 2, 14. Taik. 3, 3, 363. H. an. Med. n. Suca. 2,276, 3. 411 504, 20. 41141: HALAJ. 2,465; vgl. 12, b. - 7) n. eine best. Constellation VARAH. BRH. S. 20, 2. - 8) n. Haut Çabdan. im ÇKDn. — 9) n. = प्ष्पादीनां दलावृत्तिः eine Blattdüte für Blumen u. s. w. Med. Ungenaue Schreibweise für U. - 10) n. Bez. der Unterabtheilungen in der त्रिप्री oder त्रिप्री genannten Vedanta-Schrift Verz. d. B. H. 180. — 11) m. = त्रिप्र N. pr. eines Unholden; s. प्रतित् u. s. w. N. pr. eines Mannes gana क्वोदि zu P. 4,1,151. — 12) f. पुरा a) Wehr, Burg, am Ende eines comp.: म्रामिप्रा Çar. Br. 6, 3, 3, 25. 羽界 3, 1, 3, 11 (streiche oben den Artikel 3. 羽-श्मन). Vgl. जीव॰, देव॰, मक्ता॰. — b) ein best. wohlriechender Stoff Rigan. im ÇKDa.; vgl. 6. — c) Osten (!) ÇKDa. Wils. — 13) f. 477 a) Burg, Stadt AK. 2,2,1. H. 971. Med. Halas. 2, 130. Taitt. Ar. 1,27, 3 (st. dessen प्रम acc. AV. 10, 2, 29). शक्रास्य Inda. 1, 42. चेंद्रिगांत े N. 13, 23. MBH. 1,4007. R. 1,1,71. 5,7. 34, 46. RAGH. 1,30. MBGH. 31. SÜRJAS. 12, 39. 40. VID. 1. 325. - b) Leib, Körper Buic. P. 2, 10, 28. - Vgl. त्रि°, देव°, पैार

पुरउन्तिन् (पुरम् + 3°) f. ein best. Metrum, 12 + 8 + 8 Silben RV. Paît. 16, 20. Khandas 4. Çînku. Çh. 7,27, 3. 21. Pankav. Ba. 8, 8, 26.

पुर्तंत्र (पुरस् + ए°) m. der da vorangeht, Führer, Wegweiser R.V. 1,76,2. 3,11,5. विद्वान्पद्यः पुर्वृत ऋतु नेषात 5,46,1. 6,21,12. 47,7. 7, 33,6. पुर्वासि मक्ता धर्मस्य 9,97,29. 87,3. A.V. 3.15,1. 5,20,12. 10, 3,2. VS. 17,14. 33,60. यद्या तित्रत्तमधनः पुर्वारं कुर्वात Air. Ba. 4,20. 7,18. ÇAT. Ba. 10,3,5,8. 14,4,1,19. Pańkav. Bu. 18,8,17.

पुर:पाक (पुरम् + पाका) adj. f. श्रा dessen Erfüllung bevorsteht: श्राशि-म् Kumaras. 6,90.

प्रःप्रस्रवण क प्रस्रवण

प्रः प्रहर्तर (प्रम् + प्र°) m. Vorkämpfer: समरेषु RAGH. 13.72.

पुरःपाल (पुरस् + पाल) adj. dessen Früchte bevorstehen, Früchte verheissend: प्रसादचिक्कानि RAGH. 2, 22.